

3. 1539

Iohannem, Viri Excellentissime, nec immerito' videri tui meritorumque in me tuorum
 plani oblitus fuisse, quod tanto tempore, cuius sine meminisse taces, nihil ad te
 dedarim literarum. Excusare peccatum nec volo, nec si vellem, possum. Ad tale
 enim ac amicam tantum tam diu nullas! Ipse mihi irascor, cum tempus, cum scis
 beati materiam, cum alia confidens mecum, qua referre nunc difficit, ne ingratis
 rei memorari teneat, et quibus quod ex primis hinc post trienne silentium ad te
 literis capio, aliqua est minima amaritudine laedam. Num hoc tantum vice
 omnium refero, Dilationem magis, quam aliud quidvis huius silentii causam extitisse.
 Ceterum vidi et qua' soleo tua magna cum admiratione legi, Repetitionem quorundam
 locorum illustrium Vet. et Nov. Testamenti, qui de Antichristo agunt. Experiri iudicia
 verorum voluisti prius, quam aperte sententiam tuam de illo apocalypitico prodere.
 Et sane prudentiam talem seculum hoc contentiosum magis, quam conscientiosum
 postulat. Est praeterea gens quoddam hominum, quod cum saliter non potest,
 diffamatione virorum celeberrimam famam accubantibus. utys Herostatus ex scelere
 inclarescere, templumque Dianae Ephesiae incendio dare voluit, quam nomen suum
 ignorari, sic hi tales in Ecclesiam templam Dei visentibus mittere ignes non
 verentur, nulla alia de causa, quam ut fuisse qui hoc fecerint aliquando, po-
 steritas testari possit. Hoc tamen abstinere viros cordatos non debet,
 quia ea, quae facere sciunt ad gloriam Dei primumque statum, plane profi-
 teantur. In talibus obfirmare animus Christiani fortitudinis est. Quid in
 iudicio priorum, doctorumque submitatur Harmonia quadam Prophetiarum
 iuxta ordinem et periodos Ecclesiarum Apocalypiticarum, qui locos tantum qui
 de Regno Christi eiusque vicissitudinibus agunt, eo ordine et modo dispositi
 tos aut compositos habeat, ut qui in Historia Ecclesiastica non omnino pere-
 grinus fuerit, nolens volens facti videre et fateri cogatur, Spiritum Sanctum
 in hoc vel illo Novi Test. tempora digitorum imprimis intendisse. Hoc si
 iudicio saltem aliquo fieret, non dubito eam fore s. Scripturae claritatem,
 ut vel invitis sit amatura velum, quod praconceptis opinionibus illis quibusdam
 vitatibus tuae sola sunt relinquentis. Si quid tamen in Ezechielis templum
 et annexa charta dediti, optatum hoc per Studiosum quendam descriptum,
 debere. ut et ea quae a cap. 9. v. 17. v. 21. v. 24. v. 27. v. 30. v. 33. v. 36. v. 39. v. 42. v. 45. v. 48. v. 51. v. 54. v. 57. v. 60. v. 63. v. 66. v. 69. v. 72. v. 75. v. 78. v. 81. v. 84. v. 87. v. 90. v. 93. v. 96. v. 99. v. 102. v. 105. v. 108. v. 111. v. 114. v. 117. v. 120. v. 123. v. 126. v. 129. v. 132. v. 135. v. 138. v. 141. v. 144. v. 147. v. 150. v. 153. v. 156. v. 159. v. 162. v. 165. v. 168. v. 171. v. 174. v. 177. v. 180. v. 183. v. 186. v. 189. v. 192. v. 195. v. 198. v. 201. v. 204. v. 207. v. 210. v. 213. v. 216. v. 219. v. 222. v. 225. v. 228. v. 231. v. 234. v. 237. v. 240. v. 243. v. 246. v. 249. v. 252. v. 255. v. 258. v. 261. v. 264. v. 267. v. 270. v. 273. v. 276. v. 279. v. 282. v. 285. v. 288. v. 291. v. 294. v. 297. v. 300. v. 303. v. 306. v. 309. v. 312. v. 315. v. 318. v. 321. v. 324. v. 327. v. 330. v. 333. v. 336. v. 339. v. 342. v. 345. v. 348. v. 351. v. 354. v. 357. v. 360. v. 363. v. 366. v. 369. v. 372. v. 375. v. 378. v. 381. v. 384. v. 387. v. 390. v. 393. v. 396. v. 399. v. 402. v. 405. v. 408. v. 411. v. 414. v. 417. v. 420. v. 423. v. 426. v. 429. v. 432. v. 435. v. 438. v. 441. v. 444. v. 447. v. 450. v. 453. v. 456. v. 459. v. 462. v. 465. v. 468. v. 471. v. 474. v. 477. v. 480. v. 483. v. 486. v. 489. v. 492. v. 495. v. 498. v. 501. v. 504. v. 507. v. 510. v. 513. v. 516. v. 519. v. 522. v. 525. v. 528. v. 531. v. 534. v. 537. v. 540. v. 543. v. 546. v. 549. v. 552. v. 555. v. 558. v. 561. v. 564. v. 567. v. 570. v. 573. v. 576. v. 579. v. 582. v. 585. v. 588. v. 591. v. 594. v. 597. v. 600. v. 603. v. 606. v. 609. v. 612. v. 615. v. 618. v. 621. v. 624. v. 627. v. 630. v. 633. v. 636. v. 639. v. 642. v. 645. v. 648. v. 651. v. 654. v. 657. v. 660. v. 663. v. 666. v. 669. v. 672. v. 675. v. 678. v. 681. v. 684. v. 687. v. 690. v. 693. v. 696. v. 699. v. 702. v. 705. v. 708. v. 711. v. 714. v. 717. v. 720. v. 723. v. 726. v. 729. v. 732. v. 735. v. 738. v. 741. v. 744. v. 747. v. 750. v. 753. v. 756. v. 759. v. 762. v. 765. v. 768. v. 771. v. 774. v. 777. v. 780. v. 783. v. 786. v. 789. v. 792. v. 795. v. 798. v. 801. v. 804. v. 807. v. 810. v. 813. v. 816. v. 819. v. 822. v. 825. v. 828. v. 831. v. 834. v. 837. v. 840. v. 843. v. 846. v. 849. v. 852. v. 855. v. 858. v. 861. v. 864. v. 867. v. 870. v. 873. v. 876. v. 879. v. 882. v. 885. v. 888. v. 891. v. 894. v. 897. v. 900. v. 903. v. 906. v. 909. v. 912. v. 915. v. 918. v. 921. v. 924. v. 927. v. 930. v. 933. v. 936. v. 939. v. 942. v. 945. v. 948. v. 951. v. 954. v. 957. v. 960. v. 963. v. 966. v. 969. v. 972. v. 975. v. 978. v. 981. v. 984. v. 987. v. 990. v. 993. v. 996. v. 999. v. 1002. v. 1005. v. 1008. v. 1011. v. 1014. v. 1017. v. 1020. v. 1023. v. 1026. v. 1029. v. 1032. v. 1035. v. 1038. v. 1041. v. 1044. v. 1047. v. 1050. v. 1053. v. 1056. v. 1059. v. 1062. v. 1065. v. 1068. v. 1071. v. 1074. v. 1077. v. 1080. v. 1083. v. 1086. v. 1089. v. 1092. v. 1095. v. 1098. v. 1101. v. 1104. v. 1107. v. 1110. v. 1113. v. 1116. v. 1119. v. 1122. v. 1125. v. 1128. v. 1131. v. 1134. v. 1137. v. 1140. v. 1143. v. 1146. v. 1149. v. 1152. v. 1155. v. 1158. v. 1161. v. 1164. v. 1167. v. 1170. v. 1173. v. 1176. v. 1179. v. 1182. v. 1185. v. 1188. v. 1191. v. 1194. v. 1197. v. 1200. v. 1203. v. 1206. v. 1209. v. 1212. v. 1215. v. 1218. v. 1221. v. 1224. v. 1227. v. 1230. v. 1233. v. 1236. v. 1239. v. 1242. v. 1245. v. 1248. v. 1251. v. 1254. v. 1257. v. 1260. v. 1263. v. 1266. v. 1269. v. 1272. v. 1275. v. 1278. v. 1281. v. 1284. v. 1287. v. 1290. v. 1293. v. 1296. v. 1299. v. 1302. v. 1305. v. 1308. v. 1311. v. 1314. v. 1317. v. 1320. v. 1323. v. 1326. v. 1329. v. 1332. v. 1335. v. 1338. v. 1341. v. 1344. v. 1347. v. 1350. v. 1353. v. 1356. v. 1359. v. 1362. v. 1365. v. 1368. v. 1371. v. 1374. v. 1377. v. 1380. v. 1383. v. 1386. v. 1389. v. 1392. v. 1395. v. 1398. v. 1401. v. 1404. v. 1407. v. 1410. v. 1413. v. 1416. v. 1419. v. 1422. v. 1425. v. 1428. v. 1431. v. 1434. v. 1437. v. 1440. v. 1443. v. 1446. v. 1449. v. 1452. v. 1455. v. 1458. v. 1461. v. 1464. v. 1467. v. 1470. v. 1473. v. 1476. v. 1479. v. 1482. v. 1485. v. 1488. v. 1491. v. 1494. v. 1497. v. 1500. v. 1503. v. 1506. v. 1509. v. 1512. v. 1515. v. 1518. v. 1521. v. 1524. v. 1527. v. 1530. v. 1533. v. 1536. v. 1539. v. 1542. v. 1545. v. 1548. v. 1551. v. 1554. v. 1557. v. 1560. v. 1563. v. 1566. v. 1569. v. 1572. v. 1575. v. 1578. v. 1581. v. 1584. v. 1587. v. 1590. v. 1593. v. 1596. v. 1599. v. 1602. v. 1605. v. 1608. v. 1611. v. 1614. v. 1617. v. 1620. v. 1623. v. 1626. v. 1629. v. 1632. v. 1635. v. 1638. v. 1641. v. 1644. v. 1647. v. 1650. v. 1653. v. 1656. v. 1659. v. 1662. v. 1665. v. 1668. v. 1671. v. 1674. v. 1677. v. 1680. v. 1683. v. 1686. v. 1689. v. 1692. v. 1695. v. 1698. v. 1701. v. 1704. v. 1707. v. 1710. v. 1713. v. 1716. v. 1719. v. 1722. v. 1725. v. 1728. v. 1731. v. 1734. v. 1737. v. 1740. v. 1743. v. 1746. v. 1749. v. 1752. v. 1755. v. 1758. v. 1761. v. 1764. v. 1767. v. 1770. v. 1773. v. 1776. v. 1779. v. 1782. v. 1785. v. 1788. v. 1791. v. 1794. v. 1797. v. 1800. v. 1803. v. 1806. v. 1809. v. 1812. v. 1815. v. 1818. v. 1821. v. 1824. v. 1827. v. 1830. v. 1833. v. 1836. v. 1839. v. 1842. v. 1845. v. 1848. v. 1851. v. 1854. v. 1857. v. 1860. v. 1863. v. 1866. v. 1869. v. 1872. v. 1875. v. 1878. v. 1881. v. 1884. v. 1887. v. 1890. v. 1893. v. 1896. v. 1899. v. 1902. v. 1905. v. 1908. v. 1911. v. 1914. v. 1917. v. 1920. v. 1923. v. 1926. v. 1929. v. 1932. v. 1935. v. 1938. v. 1941. v. 1944. v. 1947. v. 1950. v. 1953. v. 1956. v. 1959. v. 1962. v. 1965. v. 1968. v. 1971. v. 1974. v. 1977. v. 1980. v. 1983. v. 1986. v. 1989. v. 1992. v. 1995. v. 1998. v. 2001. v. 2004. v. 2007. v. 2010. v. 2013. v. 2016. v. 2019. v. 2022. v. 2025. v. 2028. v. 2031. v. 2034. v. 2037. v. 2040. v. 2043. v. 2046. v. 2049. v. 2052. v. 2055. v. 2058. v. 2061. v. 2064. v. 2067. v. 2070. v. 2073. v. 2076. v. 2079. v. 2082. v. 2085. v. 2088. v. 2091. v. 2094. v. 2097. v. 2100. v. 2103. v. 2106. v. 2109. v. 2112. v. 2115. v. 2118. v. 2121. v. 2124. v. 2127. v. 2130. v. 2133. v. 2136. v. 2139. v. 2142. v. 2145. v. 2148. v. 2151. v. 2154. v. 2157. v. 2160. v. 2163. v. 2166. v. 2169. v. 2172. v. 2175. v. 2178. v. 2181. v. 2184. v. 2187. v. 2190. v. 2193. v. 2196. v. 2199. v. 2202. v. 2205. v. 2208. v. 2211. v. 2214. v. 2217. v. 2220. v. 2223. v. 2226. v. 2229. v. 2232. v. 2235. v. 2238. v. 2241. v. 2244. v. 2247. v. 2250. v. 2253. v. 2256. v. 2259. v. 2262. v. 2265. v. 2268. v. 2271. v. 2274. v. 2277. v. 2280. v. 2283. v. 2286. v. 2289. v. 2292. v. 2295. v. 2298. v. 2301. v. 2304. v. 2307. v. 2310. v. 2313. v. 2316. v. 2319. v. 2322. v. 2325. v. 2328. v. 2331. v. 2334. v. 2337. v. 2340. v. 2343. v. 2346. v. 2349. v. 2352. v. 2355. v. 2358. v. 2361. v. 2364. v. 2367. v. 2370. v. 2373. v. 2376. v. 2379. v. 2382. v. 2385. v. 2388. v. 2391. v. 2394. v. 2397. v. 2400. v. 2403. v. 2406. v. 2409. v. 2412. v. 2415. v. 2418. v. 2421. v. 2424. v. 2427. v. 2430. v. 2433. v. 2436. v. 2439. v. 2442. v. 2445. v. 2448. v. 2451. v. 2454. v. 2457. v. 2460. v. 2463. v. 2466. v. 2469. v. 2472. v. 2475. v. 2478. v. 2481. v. 2484. v. 2487. v. 2490. v. 2493. v. 2496. v. 2499. v. 2502. v. 2505. v. 2508. v. 2511. v. 2514. v. 2517. v. 2520. v. 2523. v. 2526. v. 2529. v. 2532. v. 2535. v. 2538. v. 2541. v. 2544. v. 2547. v. 2550. v. 2553. v. 2556. v. 2559. v. 2562. v. 2565. v. 2568. v. 2571. v. 2574. v. 2577. v. 2580. v. 2583. v. 2586. v. 2589. v. 2592. v. 2595. v. 2598. v. 2601. v. 2604. v. 2607. v. 2610. v. 2613. v. 2616. v. 2619. v. 2622. v. 2625. v. 2628. v. 2631. v. 2634. v. 2637. v. 2640. v. 2643. v. 2646. v. 2649. v. 2652. v. 2655. v. 2658. v. 2661. v. 2664. v. 2667. v. 2670. v. 2673. v. 2676. v. 2679. v. 2682. v. 2685. v. 2688. v. 2691. v. 2694. v. 2697. v. 2700. v. 2703. v. 2706. v. 2709. v. 2712. v. 2715. v. 2718. v. 2721. v. 2724. v. 2727. v. 2730. v. 2733. v. 2736. v. 2739. v. 2742. v. 2745. v. 2748. v. 2751. v. 2754. v. 2757. v. 2760. v. 2763. v. 2766. v. 2769. v. 2772. v. 2775. v. 2778. v. 2781. v. 2784. v. 2787. v. 2790. v. 2793. v. 2796. v. 2799. v. 2802. v. 2805. v. 2808. v. 2811. v. 2814. v. 2817. v. 2820. v. 2823. v. 2826. v. 2829. v. 2832. v. 2835. v. 2838. v. 2841. v. 2844. v. 2847. v. 2850. v. 2853. v. 2856. v. 2859. v. 2862. v. 2865. v. 2868. v. 2871. v. 2874. v. 2877. v. 2880. v. 2883. v. 2886. v. 2889. v. 2892. v. 2895. v. 2898. v. 2901. v. 2904. v. 2907. v. 2910. v. 2913. v. 2916. v. 2919. v. 2922. v. 2925. v. 2928. v. 2931. v. 2934. v. 2937. v. 2940. v. 2943. v. 2946. v. 2949. v. 2952. v. 2955. v. 2958. v. 2961. v. 2964. v. 2967. v. 2970. v. 2973. v. 2976. v. 2979. v. 2982. v. 2985. v. 2988. v. 2991. v. 2994. v. 2997. v. 3000. v. 3003. v. 3006. v. 3009. v. 3012. v. 3015. v. 3018. v. 3021. v. 3024. v. 3027. v. 3030. v. 3033. v. 3036. v. 3039. v. 3042. v. 3045. v. 3048. v. 3051. v. 3054. v. 3057. v. 3060. v. 3063. v. 3066. v. 3069. v. 3072. v. 3075. v. 3078. v. 3081. v. 3084. v. 3087. v. 3090. v. 3093. v. 3096. v. 3099. v. 3102. v. 3105. v. 3108. v. 3111. v. 3114. v. 3117. v. 3120. v. 3123. v. 3126. v. 3129. v. 3132. v. 3135. v. 3138. v. 3141. v. 3144. v. 3147. v. 3150. v. 3153. v. 3156. v. 3159. v. 3162. v. 3165. v. 3168. v. 3171. v. 3174. v. 3177. v. 3180. v. 3183. v. 3186. v. 3189. v. 3192. v. 3195. v. 3198. v. 3201. v. 3204. v. 3207. v. 3210. v. 3213. v. 3216. v. 3219. v. 3222. v. 3225. v. 3228. v. 3231. v. 3234. v. 3237. v. 3240. v. 3243. v. 3246. v. 3249. v. 3252. v. 3255. v. 3258. v. 3261. v. 3264. v. 3267. v. 3270. v. 3273. v. 3276. v. 3279. v. 3282. v. 3285. v. 3288. v. 3291. v. 3294. v. 3297. v. 3300. v. 3303. v. 3306. v. 3309. v. 3312. v. 3315. v. 3318. v. 3321. v. 3324. v. 3327. v. 3330. v. 3333. v. 3336. v. 3339. v. 3342. v. 3345. v. 3348. v. 3351. v. 3354. v. 3357. v. 3360. v. 3363. v. 3366. v. 3369. v. 3372. v. 3375. v. 3378. v. 3381. v. 3384. v. 3387. v. 3390. v. 3393. v. 3396. v. 3399. v. 3402. v. 3405. v. 3408. v. 3411. v. 3414. v. 3417. v. 3420. v. 3423. v. 3426. v. 3429. v. 3432. v. 3435. v. 3438. v. 3441. v. 3444. v. 3447. v. 3450. v. 3453. v. 3456. v. 3459. v. 3462. v. 3465. v. 3468. v. 3471. v. 3474. v. 3477. v. 3480. v. 3483. v. 3486. v. 3489. v. 3492. v. 3495. v. 3498. v. 3501. v. 3504. v. 3507. v. 3510. v. 3513. v. 3516. v. 3519. v. 3522. v. 3525. v. 3528. v. 3531. v. 3534. v. 3537. v. 3540. v. 3543. v. 3546. v. 3549. v. 3552. v. 3555. v. 3558. v. 3561. v. 3564. v. 3567. v. 3570. v. 3573. v. 3576. v. 3579. v. 3582. v. 3585. v. 3588. v. 3591. v. 3594. v. 3597. v. 3600. v. 3603. v. 3606. v. 3609. v. 3612. v. 3615. v. 3618. v. 3621. v. 3624. v. 3627. v. 3630. v. 3633. v. 3636. v. 3639. v. 3642. v. 3645. v. 3648. v. 3651. v. 3654. v. 3657. v. 3660. v. 3663. v. 3666. v. 3669. v. 3672. v. 3675. v. 3678. v. 3681. v. 3684. v. 3687. v. 3690. v. 3693. v. 3696. v. 3699. v. 3702. v. 3705. v. 3708. v. 3711. v. 3714. v. 3717. v. 3720. v. 3723. v. 3726. v. 3729. v. 3732. v. 3735. v. 3738. v. 3741. v. 3744. v. 3747. v. 3750. v. 3753. v. 3756. v. 3759. v. 3762. v. 3765. v. 3768. v. 3771. v. 3774. v. 3777. v. 3780. v. 3783. v. 3786. v. 3789. v. 3792. v. 3795. v. 3798. v. 3801. v. 3804. v. 3807. v. 3810. v. 3813. v. 3816. v. 3819. v. 3822. v. 3825. v. 3828. v. 3831. v. 3834. v. 3837. v. 3840. v. 3843. v. 3846. v. 3849. v. 3852. v. 3855. v. 3858. v. 3861. v. 3864. v. 3867. v. 3870. v. 3873. v. 3876. v. 3879. v. 3882. v. 3885. v. 3888. v. 3891. v. 3894. v. 3897. v. 3900. v. 3903. v. 3906. v. 3909. v. 3912. v. 3915. v. 3918. v. 3921. v. 3924. v. 3927. v. 3930. v. 3933. v. 3936. v. 3939. v. 3942. v. 3945. v. 3948. v. 3951. v. 3954. v. 3957. v. 3960. v. 3963. v. 3966. v. 3969. v. 3972. v. 3975. v. 3978. v. 3981. v. 3984. v. 3987. v. 3990. v. 3993. v. 3996. v. 3999. v. 4002. v. 4005. v. 4008. v. 4011. v. 4014. v. 4017. v. 4020. v. 4023. v. 4026. v. 4029. v. 4032. v. 4035. v. 4038. v. 4041. v. 4044. v. 4047. v. 4050. v. 4053. v. 4056. v. 4059. v. 4062. v. 4065. v. 4068. v. 4071. v. 4074. v. 4077. v. 4080. v. 4083. v. 4086. v. 4089. v. 4092. v. 4095. v. 4098. v. 4101. v. 4104. v. 4107. v. 4110. v. 4113. v. 4116. v. 4119. v. 4122. v. 4125. v. 4128. v. 4131. v. 4134. v. 4137. v. 4140. v. 4143. v. 4146. v. 4149. v. 4152. v. 4155. v. 4158. v. 4161. v. 4164. v. 4167. v. 4170. v. 4173. v. 4176. v. 4179. v. 4182. v. 4185. v. 4188. v. 4191. v. 4194. v. 4197. v. 4200. v. 4203. v. 4206. v. 4209. v. 4212. v. 4215. v. 4218. v. 4221. v. 4224. v. 4227. v. 4230. v. 4233. v. 4236. v. 4239. v. 4242. v. 4245. v. 4248. v. 4251. v. 4254. v. 4257. v. 4260. v. 4263. v. 4266. v. 4269. v. 4272. v. 4275. v. 4278. v. 4281. v. 4284. v. 4287. v. 4290. v. 4293. v. 4296. v. 4299. v. 4302. v. 4305. v. 4308. v. 4311. v. 4314. v. 4317. v. 4320. v. 4323. v. 4326. v. 4329. v. 4332. v. 4335. v. 4338. v. 4341. v. 4344. v. 4347. v. 4350. v. 4353. v. 4356. v. 4359. v. 4362. v. 4365. v. 4368. v. 4371. v. 4374. v. 4377. v. 4380. v. 4383. v. 4386. v. 4389. v. 4392. v. 4395. v. 4398. v. 4401. v. 4404. v. 4407. v. 4410. v. 4413. v. 4416. v. 4419. v. 4422. v

Accipi 8 Jul. 1648.
25 pax.

Vno Rev^o & Reverendissimo,
Dno Johanni Acciaj, Landt
Linguae Professori, celebranti:
vno in Academia Praetoria,
vno, Dno & amico suo ho.
nratissimo.

Franciscam.

